CLASS-11: Summary

1. हमने देखा कि आज बड़े लोग बच्चों को आलू प्याज के दोष नहीं बताते
    a. ताकि बच्चों के बहाने वे इन्हें खाते रहें
    b. इस तरह ज्ञान छिपाना भी निह्नव में आता है

2. तीसरा भाव **मात्सर्य** अर्थात ईर्ष्या या जलन का भाव है
    a. इसमें हम दूसरे को ज्ञान इसलिए नहीं देते कि
    b. अगर उसे भी ज्ञान मिल गया तो
        i. वह भी हमारी तरह नाम और प्रशंसा पा जाएगा
    c. फिर सब उसी को पूछेंगे
        i. हमें कौन पूछेगा?
    d. हम चाहते हैं कि
        i. हमारा ज्ञान दूसरे के पास न पहुँचे
        ii. हमारे जैसे साधनों से वह भी ज्ञानार्जन न करले
3. मात्सर्य भाव लौकिक क्षेत्र में पढने वाले बच्चों, बडों सब में भी अपने-अपने तरीके से चलता है
    a. आज बड़े-बड़े वकील जज अपनी knowledge के अहं में जीते हैं
        i. कि उन्हें कोई solution पता है
        ii. बिना अच्छा पैसा वसूले
        iii. वे सहजता से उसे किसी को नहीं बताते
    b. अगर बता दिया तो उनके सारे client उसके पास चले जाएँगे
    c. यह भाव doctor, teacher, lawyer, student आदि सभी में अपने-अपने क्षेत्र के लोगों से होता है
4. इससे ज्ञानावरण कर्म का बंध होता है
    a. और भीतर jealousy बढ़ती है

5. जहाँ प्रदोष में भाव चुपचाप भीतर चला

a. निह्नव में थोड़ा सा बता दिया
b. मात्सर्य में जानते हुए भी उसको नहीं बताया
c. इससे आगे बढ़कर जब कषाय की तीव्रता बढी तो
d. यह **अंतराय** के रुप में बदल गया

6. अंतराय मतलब ज्ञानार्जन और उसके साधनों में विघ्न डालना
    a. दूसरे के बच्चों की जानकारी लेकर
        i. कौन सी किताब पढ़ता है?
        ii. tution आदि लेता है?
    b. उनमें अंतराय डालने की कोशिश करना जैसे
        i. पुस्तकें आदि अलग कर देना
        ii. पढने के समय पर खेलने के लिए बुलाना आदि
7. हमने जाना कि **'जैसा करोगे वैसा पाओगे'**
    a. हमारा आज किया गया अंतराय
        i. कल हमारे ज्ञानार्जन में विघ्न के रुप में आता है
        ii. इन्हीं कर्मों के फल से बच्चों का मानसिक विकास नहीं हो पाता
    b. ऐसे प्रसंग समझकर हमें अपने मन के भावों पर अंकुश लगाना चाहिए

8. ज्ञान के अंतराय से ज्ञानावरण कर्म
    a. और दर्शन के अंतराय से दर्शनावरण कर्म का विशेष रुप से आस्रव होता है
9. आजकल तो **पढ़े-लिखे लोग** बहुत ज्यादा अंतराय करते हैं
    a. एक दूसरे को धर्म कार्य से रोकते हैं
        i. अधर्म से नहीं
    b. जैसे घर में संस्कारित बहू को धर्म में रुचि लेने से रोका जाता है
        i. बच्चों को मुनि महाराज के दर्शन और स्वाध्याय करने से रोका जाता है
    c. **अनपढ़** तो सिर्फ पहले किये गए कर्म को भोगता है
        i. लेकिन ज्ञान दिशा में बहुत ज्यादा कर्म बंध होता है

10. चूंकि यह पढ़ी-लिखी, बड़ी-बड़ी degree holders की पीढ़ी अंहकारी हो रही है

a. इसलिए नई पीढ़ी धर्म के प्रति संस्कारित नहीं है
b. ये कषाय के कारण न खुद कर रहे हैं
    i. और न दूसरों को करने दे रहे हैं
c. इन्हें डर लगता है कि बच्चा कहीं धार्मिक, सम्यग्ज्ञानी न हो जाए
d. इसलिए अपने बच्चों को सही मार्ग पर जाने से रोकते हैं
    i. उन्हें धार्मिक किताब नहीं पढ़ने देते, प्रवचन नहीं सुनने देते
e. हमें सोचना चाहिए कि उसके पुण्य से उसे धर्म क्षेत्र काल की अनुकूलता मिल रही है
    i. तो क्यों उसके ज्ञान दर्शन को रोकें?

11. अंतराय से आगे बढ़कर **आसादना** का भाव होता है
a. अपनी कषाय के कारण
b. सामने वाला के हितकारी, सम्यग्ज्ञान को
c. कोई अन्य उसके प्रभाव में न आ जाये इसलिए
d. हम वचनों से, काय से उसकी आसादना मतलब विराधना करते हैं
    i. कहते हैं कि ये कुछ नहीं जानता? आदि
    ii. उसे देखकर मुंह बनाते हैं
        1. जैसे वो कुछ नहीं है

12.इससे ज्ञानावरण दर्शनावरण कर्म का बंध होता है

13.अंतिम **उपघात** भाव में हम दूसरे के ज्ञान को घात करने का ही भाव बना लेते हैं